



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान  
जोधपुर, राजस्थान



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-08-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-08-08 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-08-09	2022-08-10	2022-08-11	2022-08-12	2022-08-13
वर्षा (मिमी)	60.0	6.0	2.0	2.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	37.0	39.0	41.0
न्यूनतम तापमान(से.)	31.0	28.0	29.0	32.0	29.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	78	67	60	64
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	54	43	40	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13.0	3.0	7.0	6.0	24.0
पवन दिशा (डिग्री)	243	275	191	235	72
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	7	8	7

### मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में आंशिक बादल छाये रहने के साथ बारिश की सम्भावना है।

### सामान्य सलाहकार:

वर्षा की सम्भावना को देखते हुए फसलों में पौध रसायनों का छिडकाव स्थगित करें तथा फसलों में जल निकास की व्यवस्था करें।

### लघु संदेश सलाहकार:

09 अगस्त को मध्यम से भारी वर्षा होने की सम्भावना है।

### फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	बाजरा की फसल में पत्ती भक्षक कीटों के नियंत्रण कि लिए क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
मूंगफली	मूंगफली की फसल में सुइयां बनने के दौरान फसल में निराई गुडाई न करे, घास को केवल हाथ से उखाड़ें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूँग की फसल में सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
ज्वार	ज्वार की फसल में तना छेदक व तना मक्खी का प्रकोप होने पर क्यूनालफॉस 5 प्रतिशत कण 8-10 किलो प्रति हैक्टेयर की दर बुवाई के 25 दिन बाद पौधों के पोटों में डालें।

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पालतू जानवरों जैसे गाय, भैंस, बकरी, भेड़ इत्यादि को सीधी वर्षा से बचाव के समुचित उपाय करें एवं उनके रहने के स्थल पर पानी इकट्ठा न होने दें तथा बिछावन को सुखा रखें।

### अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	कट्टवर्गीय सब्जियों की वर्षाकालीन फसलों की बेलों को ऊपर चढ़ाने की व्यवस्था करे। ताकि वर्षा से सब्जियों की लताओं को गलने से बचाया जा सके तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।